वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 167 | शनिवार 14 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में फिर होगी अभिव्यक्ति गरबा की धूम

हरियाणा के फेमस मुरथल के पराठें का स्वाद मिलेगा, 19 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक होगा आयोजन

जयपुर. कासं। अभिव्यक्ति गरबा एक बार भी धूम मचाने को तैयार है। इस साल गरबा महोत्सव का आयोजन 19 से 22 अक्टूबर तक मानसरोवर के वीटी रोड पर किया जाएगा। यहां एक ही ग्राउंड पर जयपुराइट्स डांस और म्यूजिक के साथ देशभर के जायके का स्वाद ले पाएंगे। इस बार जायके में कोलकाता की संदेश और हरियाणा का फेमस मुरथल के पराठें का भी स्वाद मिलेगा। हर साल की तरह अभिव्यक्ति गरबा 2023 जयपुर वासियों को अपने रंग में रंगने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पिछले एक महीने से जयपुर के गरबा प्रेमी तैयारी में जुटे हुए हैं।

17 और 18 अक्टूबर को होगी ग्राउंड प्रैक्टिस

अभिव्यक्ति गरबा की प्रैक्टिस पिछले एक महीने से ईपी रोज गार्डन के बैंक्वेट हॉल में चल रही है। यहां जयपुराइट्स को गरबा सिखाया जा रहा है। गुजरात के मिलन ग्रुप द्वारा जयपुर वासियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। गरबा एक्सपर्ट अशोक तिवारी और जय शिकारी अपनी टीम के साथ लोगों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। इसमें मुख्य रूप से फ्री स्टाइल गरबा, हींच, पांच ताल और प्राचीन स्टाइल गरबा के स्टेप लोगों को सिखाए जा रहे हैं। 17 और 18 अक्टूबर को गरबा ग्राउंड पर प्रैक्टिस करवाई जाएगी।

150 लोगों का चुनाव महाआरती के लिए होगा

अभिव्यक्ति गरबा की तैयारी लगभग अपने अंतिम चरण में है। पिछले एक महीने से लोग मेहनत में लगे हुए हैं। हजारों की संख्या में लोग एक मंच पर एक दूसरे को टक्कर भी देंगे।

अपने रंग बिरंगे कपड़ों से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचेंगे। वहीं, गरबा स्टूडेंट्स महाआरती के लिए अभ्यास में जुट गए हैं। 200 प्रतिभागियों को महाआरती के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें से 150 को महाआरती ई लिए चुना जाएगा।

24 फूड स्टॉल में देशभर का जायका

अभिव्यक्ति गरबा में हर साल की तरह इस साल भी जयपुरवासी देशभर का जायका ले पाएंगे। फूड लवर्स को देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक स्वाद को चखने का मौका मिलेगा। राजस्थान की कचौरी, गुजरात का ढोकला, बिहार का लिट्टी चोखा, अमृतसर के कुलचे हर तरह का स्वाद मिलेगा। इस बार उत्तराखंड, कोलकाता, हरियाणा का जायका भी इसमें शामिल होगा। कोलकाता की खास लूची पूड़ी, क्लब कचोरी, झाल मुरी, बसंती पुलाव, मलाई टोस्ट, संदेश, मिस्ठी जैसी चीजों का स्वाद मिल सकेगा। वहीं, उत्तराखंड की पहाड़ी थाली, अमृतसर के कुलचे, हरियाणा से मुरथल के पराठें भी खाने को मिलेंगे।

'द विंटेज गार्डन' शो में दिखी डिजाइनर आउटफिट्स की झलक

जैस गोलछा और आरती पाटकर ने जयपुर के कई दशक पुराने बंगले में दिखाई बदलते फैशन की खूबसूरती

जयपुर. कासं। जयपुर में शुक्रवार से 'द विंटेज गार्डन' शो की शुरूआत हुई। इसमें देशभर के नामचीन डिजाइनर्स नूपुर कनोई, दिव्या आनंद, रोमा नरसिंघानी के लेटेस्ट कलेक्शन को प्रस्तुत किया गया है। इनके अलावा नए डिजाइनर्स के डिजाइन किए आउटफिट्स को भी शोकेस किया गया है। एग्जीबिशन में इल्लुशनिस्ट अर्जुन कोहली ने भी शिरकत की। यह एक विंटेज गार्डन पॉपअप कैफे शो था, जिसे काकू भांडिया ने क्यूरेट किया है। आयोजक जैस गोलछा ने बताया कि हम जयपुर में एक कल्चरल माहौल को तैयार कर रहे है, जिसमें फैशन के साथ अलग-अलग तरह की कलाओं को क्यूरेट किया जा रहा है। जैस गोलछा ने बताया कि द विंटेज गार्डन शो की डायरेक्टर आरती पाटकर से गोवा में मुलाकात हुई थी, वहां द विंटेज गार्डन शो की झलक देखने को मिली थी। यहीं से इस शो को जयपुर लाने का प्लान किया। कई फेमस डिजाइनर ब्रांड के साथ युवा डिजाइनर कलेक्शन को भी इसमें जगह दी गई है। इनका बहुत ही ध्यान से चयन किया गया है, जयपुर फैशन के नजरिए से उभरता हुआ शहर है, जहां इस तरह के शो की डिमांड रहती है। इसी के मद्देनजर इस शो को यहां आयोजित किया गया है। जैस ने बताया कि जयपुर तो घर है, यहां पर जरूरत थी कि फेस्टिवल सीजन को लेकर नए ब्रांड यहां आए। यहां बहुत सेलिब्रेशन होते है और वेडिंग के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। ऐसे में यहां हमने यह शो प्लान किया।

हाई कोर्ट के प्लेटिनम जुबली वर्ष समारोह का शुभारंभ आज

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड करेंगे शुरूआत, आम वकीलों को रखा गया समारोह से दूर

जयपुर. कासं। राजस्थान हाई कोर्ट इस साल अपने 75वें वर्ष में प्रवेश कर गया। इसके उपलक्ष्य में इस साल को प्लेटिनम जुबली वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। समारोह की शुरूआत शनिवार को जयपुर से होगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड समारोह की श्रृंखला का कल शुभारंभ करेंगे। वहीं 29 अगस्त 2024 को राजस्थान

हाई कोर्ट के 75 वर्ष पूर्ण होने पर जोधपुर में इसका समापन होगा। जयपुर में होने वाले समारोह से आम अधिवक्ताओं को दूर रखा गया हैं। हाई कोर्ट प्रशासन ने समारोह में हाई कोर्ट न्यायाधीश, बार काउंसिल के सदस्य, विभिन्न बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को ही कार्यक्रम का न्यौता भेजा है। जिसके विरोध में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव प्रहलाद शर्मा ने सीजेआई और हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर अपना विरोध भी दर्ज कराया हैं।

सीजेआई सहित 5 सुप्रीम कोर्ट जज होंगे शामिल

शनिवार को शाम 4:30 बजे जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (खएउउ) में प्लेटिनम जुबली समारोह का आयोजन होगा। जिसका शुभारंभ सीजेआई डीवाई चंद्रचूड करेंगे। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्थल भी मौजूद रहेंगे। वहीं गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संदीप मेहता भी समोराह में शिरकत करेंगे। समारोह में राजस्थान हाई कोर्ट से जुड़े 17 सेवानिवृत न्यायाधीशों को भी आमंत्रित किया गया हैं। इनमें राजस्थान हाईकोर्ट के सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अनिल देव सिंह, सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसएन झा, सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस के मित्तल, सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसएस शिंदे शामिल हैं।

15 अक्टूबर को घटयात्रा के साथ होगा चौबीस समवशरण महा मंडल विधान प्रारंभ

दिन रात काम कर कलाकार कर रहे हैं समवशरण बनाने की कोशिश। विश्व शांति महायज्ञ की तैयारी को दिया अंतिम रूप

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से एवं आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस,ब्रह्मचारी मुकेश भइया के निर्देशन में 15 अक्टूबर से 23अक्टूबर तक होने जा रहे श्री मद् जिनेन्द्र चौबीस समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ की तैयारियों को अंतिम रूप देने गत दिवस श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी की बैठक वर्धमान धर्मशाला में राकेश कासंल की अध्यक्षता में रखीं गई जिसमें कभी कार्यक्रमो को अंतिम रूप दिया गया ।

पंचायत कमेटी की मीटिंग में जिम्मेदारी तय की: मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस की विशेष उपस्थिति में कमेटी के महामंत्री राकेश अमरोद ने श्री मद् जिनेन्द्र चौबीस समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ की विस्तृत रूप रेखा रखते हुए विभिन्न जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा हुई इस दौरान युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने समवशरण विधान के संदर्भ में जानकारी दी इस दौरान जैन मिलन मुख्य शाखा ने इन्द्र इन्द्रणी के भोजन की व्यवस्था की जिम्मेदार अध्यक्ष मनोज भोला विपिन जैन ने आगे आकर ली।इसके साथ आरती व्यवस्था जैन युवा वर्ग के अध्यक्ष सुलभ अखाई ने इस दौरान अन्य व्यवस्थाओं के संदर्भ में बात रखने के आरती जूलूस पांडाल व्यवस्था का दायित्व स्वीकार किया इस दौरान अन्य व्यवस्थाओं के संदर्भ में भी सदस्यो ने विचार रखे अन्य दलों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान सुधा सेवा संगठन जैन जाग्रति मंडल भक्तामर सेवा मंडल पारसनाथ ट्रस्ट कमेटी गांव मन्दिर ट्रस्ट कमेटी शान्ति नगर ट्रस्ट कमेटी के पदाधिकारियों विशेष रूप से उपस्थित थे। कमेटी के महामंत्री राकेश अमरोद ने बताया कि चौबीस समवशरण के साथ महोत्सव की अन्य तैयारियों के लिए कटनी वारा राजस्थान जयपुर के साथ ही उमरगांव महाराष्ट्र से भी कलाकारो की टीम आ रही है जो संस्कृतिक प्रस्तुत देगी।

घटयात्रा के साथ होगा मुख्य पात्रो का चयन: मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद व आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस एवं मुकेश भ इया के मार्गदर्शन में 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक श्री चौबीस समवशरण विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें चौबीस समवशरण का भव्य निर्माण किया जा रहा है जिसमें सौधर्म इन्द्र कुबेर इन्द्र के साथ ही चक्रवर्ती सहित प्रमुख पद निर्धारण प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया द्वारा किये जायेंगे ।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर ने सुधांशु कासलीवाल का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर द्वारा श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलेवाल का श्रमण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष बनने पर हार्दिक अभिनंदन किया गया। संगिनी ग्रुप सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल ने बताया की ग्रुप की ओर से अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिन्दायका सहित पुष्पा, अनीता, शीला और कोषाध्यक्ष उर्मिला की उपस्थिति में सुधांशु कासलीवाल का तिलक माला दुपट्टा पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया एवं उनको इस पद पर नियुक्त किए जाने पर सभी सदस्यों ने अपनी खुशी जताई। सुधांशु कासलीवाल के द्वारा भी समाज की समस्या एवं गतिविधियों के बारे में कार्यवाही करने का पूर्ण आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर सम्यक ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष महावीर बिन्दायका भी उपस्थिति रहे।

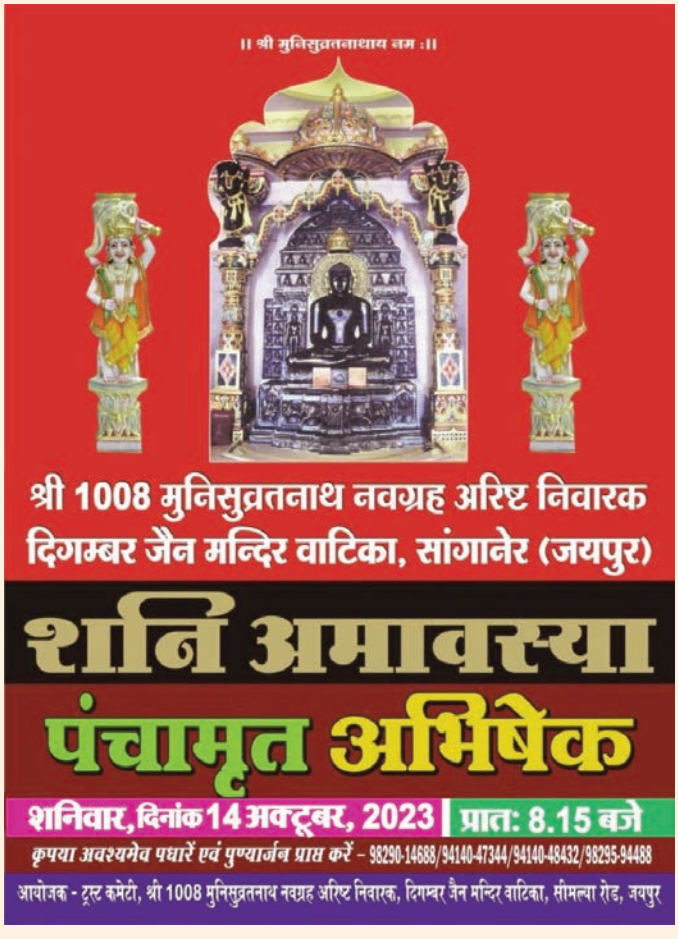

वैभव ओर माया से नहीं निर्मल भक्ति से प्रसन्न होते परमात्मा: पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री

परमात्मा को पाने के लिए सूरदास की तरह हो हमारी भक्ति। रामद्वारा धाम में चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। कोई ये सोचता है कि वैभव माया के बल पर परमात्मा को पाया जा सकता है तो उसकी सोच गलत है ओर वह जीवन में धोखा खा सकता है। जो स्वयं मायापति है उन्हें भौतिक पदार्थों से कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता है। परमात्मा की प्राप्ति के लिए अर्न्तमन से अनन्य भाव से सतत भक्ति करनी होती है। भक्त की भक्ति अटूट ओर निर्मल हो तो भगवान उसे अपना मान लेता है। जब प्रभु की दृष्टि अपने भक्त पर पड़ जाती है तो प्रभुता भक्त के घर पर डेरा डाल देती है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने शुक्रवार को चातुर्मासिक सत्संग

प्रवचनमाला के तहत व्यक्त किए। उन्होंने गर्ग संहिता के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि मायापति को छोड़कर माया को अपनाने वाले जीवन में दुःख व निराशा पाते है क्योकि माया तो आनी-जानी होने से धोखा देकर चली जाएगी। मायापति परमात्मा को बुलाने के लिए भक्त को कठिन तपस्या करनी पड़ती है जब मायापति प्रसन्न हो जाते है तो फिर धोखे का कोई काम ही नहीं रहता है। शास्त्रीजी ने बताया कि सूरदासजी अंधे थे ओर जंगल में भटक गए तो प्रभु ने बालक रूप में आकर उनका हाथ पकड़ जंगल पार करवा दिया। वृन्दावन आने पर प्रभु हाथ छुड़ाकर जाने लगे तो सूरदासजी ने उन्हें पहचान लिया ओर बोले अब जाना तुम्हारे हाथ में नहीं है क्योंकि मैने तो आपको अपने हृदय में बसा लिया है। आप हाथ छुड़ाकर तो जा सकते है पर मन मंदिर को छोड़कर कैसे जाएंगे। वह जानते है कि कभी अपने भक्तों को छोड़कर नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि हमे प्रभु भक्ति करनी हो तो सूरदास की तरह करनी चाहिए। समर्पित भाव से की गई भक्ति हमेशा उत्तम फलदायी ओर सार्थक होती है। सत्संग के दौरान मंच पर रामस्नेही संत श्री बोलतारामजी एवं संत चेतरामजी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन भक्ति से ओतप्रोत विभिन्न आयोजन हो रहे है। भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु सत्संग-प्रवचन श्रवण के लिए पहुंच रहे है। प्रतिदिन सुबह 9 से 10.15 बजे तक संतो के प्रवचन व राम नाम उच्चारण हो रहा है। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन प्रातः 5 से 6.15 बजे तक राम ध्वनि, सुबह 8 से 9 बजे तक वाणीजी पाठ, शाम को सूर्यास्त के समय संध्या आरती का आयोजन हो रहा है।

जयपुर से महावीर जी अमृत पद यात्रा 15 अक्टुबर से

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर से महावीर जी अमृत पद यात्रा 15 अक्टुबर को सायकाल 6 बजे आरती के बाद प्रस्थान होगी। पद यात्रा के सयोजक मंगलेस जैन मटरू ने बताया कि श्री महावीर दिगंबर जैन पदयात्रा संघ गत 75 सालो से जा रही है। यह पदयात्रा कनौता, भढाना, दौसा, लालसर, नादोती, खेडलीं, होतीं हुई भव्य जुलूस के साथ श्री महावीर जी मे 20अक्टूबर को मंगल प्रवेश करेगी दोपहर मे संगोष्ठी का आयोजन होगा सायकाल आरती के बाद जयपुर प्रस्थान करेगी अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे। 9829016300, 9414359668, 9829088850

जय जिनेन्द्र ग्रुप द्वारा शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी महावंदना 2023 -24 का आयोजन दिसंबर में

विवेक पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। सीकर जैन समाज के आशीर्वाद और मार्गदर्शन में जय जिनेन्द्र ग्रुप माह दिसंबर के अंतिम सप्ताह शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी महावंदना का आयोजन कर रहा है। ग्रुप के अध्यक्ष

पुनीत छाबड़ा व मंत्री अजय छाबड़ा सेसम ने बताया कि जय जिनेन्द्र ग्रुप द्वारा यह 9 वीं सामूहिक तीर्थयात्रा है। प्रतिवर्ष सीकर जैन समाज के मार्गदर्शन में ग्रुप तीर्थ यात्रा आयोजित करता है। इस वर्ष यह यात्रा 24 दिसंबर 2023 से 3 जनवरी 2024 तक आयोजित की जाएगी। यात्रा के दौरान अन्य पाँच आसपास के तीर्थ दर्शन भी करवाए जाएंगे जिसमें गया जी, राजगीरी ,चंपापुर , कुंडलपुर, नालंदा, पावापुरी, मलयपुर, पारसनाथ, मंदारगिरी सम्मिलित है। इस वर्ष इस यात्रा में 300 से अधिक समाज के धर्मावलंबी सम्मिलित होंगे। मोनू छाबड़ा राणोली ने बताया कि यात्रा पुण्यार्जक परिवारों में दीपचंद शांति देवी रारा दूजोद, नानगराम इंदरचंद सेठी सीकर, जे के जैन वीना देवी रारा दूजोद, केसरीमल पदमचंद पिराका सीकर, प्रदीप अलका काला लालास होंगे।

ज्ञानविहार में मॉडल यूनाइटेड नेशन (MUN) का आयोजन

जयपुर। मालवीय नगर स्थित ज्ञान विहार स्कूल में विद्यार्थियों में समकालीन राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक जागरुकता हेतु मॉडल यूनाइटेड नेशन(MUN) का उद्घाटन जिसका शीर्षक है अवेयरनेस ऑफ ग्लोबल पॉलिटिक्स इन यूथ।मुख्य अतिथि राजनीतिक विश्लेषक शालिनी शर्मा ने अपने वक्तव्य में ज्ञानविहार विद्यालय को साधुवाद देते हुए कहा कि स्कूल के निश्चित पाठ्यक्रम के अलावा एम. यू. एन. में भाग लेकर विद्यार्थियों ने देश की स्थितियों का गहन तरीके से शोध किया है ,समझा है। निश्चित रुप से स्कूल में आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों को देश के उत्थान के प्रति चिंतनशील और सजग बनाते हैं।आज का बच्चा कल देश निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देगा और विद्यालय शुरु से ही युवाओं को प्रोत्साहित कर उन्हें देश के प्रति सजग बनाता

हैं।प्रिंसिपल राकेश उपाध्याय ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को कहा कि विद्यार्थीकाल ही वह समुचित काल है जिसमें बच्चा नजदीकी से इन सब बातों को समझता है,आकलन करता है कि लीडरशिप ,नेगोशिएशन डिप्लोमेसी स्किल क्या है। हाल ही में g20 सम्मेलन हुआ था उसी की तर्ज पर ज्ञानविहार के विद्यार्थियों ने MUN (एम यू एन)में भाग लेकर सभी देश की समस्याओं को रखकर उन पर विस्तार से विचार विमर्श कर वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार किया है।मीडिया कॉर्डिनेटर रेनू शब्दमुखर ने बताया कि विद्यार्थियों ने यू.सी.सी.के बारे में बताते हुए यूसीसी समानता,सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने व इसके संभावित नुकसान में अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए खतरे, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और सामाजिक अशांति की संभावना आदि बारे में विचार व्यक्त किए। MUN इवेंट डायरेक्टर मानव जैन ने बताया कि MUN युवाओं को एक ऐसा माध्यम प्रदान करता है कि वह अपने देश की लोक सभा के बारें में जान सकें पहचान सकें और विचार विमर्श कर सकें एवं ब्रिटिश UN की कंट्रीज़ के बारें में रिसर्च कर सकें और अपने भारत की ताक़त को पहचान सकें।

वेद ज्ञान

परम धर्म

मानव जीवन में प्रमुख रूप से तीन अंग देखे जाते हैं-विचार, साधना और कर्म। फलस्वरूप मनुष्य विचारक, साधक और कर्मठ कहा जाता है। साधना और कर्म में अंतर है। जीवन के समस्त कार्य-व्यापार को अच्छे और खराब कर्म में समाहित किया गया है। जब मनुष्य कर्मधारा को विशेष सदिशा में दृढ़ता से मोड़कर उसमें एकाग्रचित रहकर ध्यान जमाता है तब वहां उसका साधक स्वरूप दिखाई देता है। साधना के क्षेत्र में मन का बड़ा महत्व है। इसके चलते, विचरण करते मन को स्थिर करके ही साधना में रत हुआ जाता है। एक मनुष्य में यह तीनों स्वरूप मिल सकते हैं। कोई अधिक विचारक हो सकता है तो कोई अधिक साधक या अधिक कर्मठ। अधिक विचारक को दार्शनिक भी कहा जाता है। शंकराचार्य का अद्वैत विचारवाला रूप विचारक या दार्शनिक का है। गोविंद भक्ति या संन्यासरत स्वरूप साधक का है। पानी में डूबते समय माता से धर्म प्रसार की आज्ञा मांगनेवाला रूप कर्मी या कर्मशील पुरुष का है। तुलसीदास कृत विनयपत्रिका में माया और मानस में नाम और राम का विमोचन करने वाले तुलसी जी विचारक या दार्शनिक हैं। एकाग्रमन से विनयपत्रिका लिखने वाले तुलसीदास साधक स्वरूप हैं। दुखों से संघर्ष करने वाले और मित्र टोडरमल के स्वर्गधाम गमन के उपरांत उसके पुत्रों को प्रबोध प्रदान करने वाले तुलसीदास कर्मठ स्वरूप ही हैं। मनुष्य की भांति राष्ट्र, साहित्य और धर्म के भी तीन स्वरूप होते हैं। प्रत्येक संप्रदाय, मत, जाति और समाज में यह तीन अंग-दर्शन, साधना व व्यवहार रूप में देखे जा सकते हैं। कोई मत या धर्म दर्शनप्रधान हो जाता है तो कोई साधना या व्यवहार प्रधान। हिंदू धर्म दर्शन-प्रधान है। इसमें साधना को महत्व दिया गया, लेकिन अब न साधना है और न व्यवहार। मात्र अपने दर्शन के गौरव का स्मरण करके हम फूल जाते हैं। दूसरे के हित के समान विश्व में कोई धर्म ही नहीं है और दूसरे को पीड़ा देने के समान अधर्म या पाप नहीं है। धर्म की ऐसी कल्याणकारी और संपन्न परिभाषा विरलता से प्राप्त होती है। धारण करने वाला गुण ही तो धर्म है। परहित से बढ़कर कौन गुण होगा जो समाज को धारण करेगा। धर्म की कसौटी है कि मनुष्य से परहित हो।

संपादकीय

जनकल्याण की योजनाओं के वास्तविक लाभ से वंचित लोग

बिहार में जाति जनगणना के आंकड़े आने के बाद अब यह एक तरह से राष्ट्रीय चुनावी राजनीति का एक अहम औजार मान लिया गया है और खासतौर पर विपक्षी गठबंधन इसे अपने हक में कारगर मुद्दे के तौर पर देख रहा है। इसी को देखते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने इस पर अपने रुख से यह लगभग साफ कर दिया है कि 2024 के आम चुनाव में जाति का सवाल उनकी पार्टी और गठबंधन के लिए सबसे प्रमुख मुद्दा होने जा रहा है। मंगलवार को उन्होंने जाति जनगणना को देश का 'एक्स-रे' करार दिया और कहा कि यह अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की दशा को उजागर करेगा, जो 'घायल' है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार को यह कवायद कराने के लिए मजबूर करेगी। अपनी नई राजनीति में राहुल गांधी ने जाति जनगणना को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए यह साफ कर दिया है कि वे वंचित सामाजिक तबकों को उनका अधिकार

दिलाने पर जोर देंगे। लेकिन सवाल है कि इस मसले को राजनीति का मुख्य केंद्र बनाने के नतीजे में देश और समाज में कौन-सी नई परिस्थितियां पैदा होंगी और उसमें वास्तविक न्याय कितना सुनिश्चित हो सकेगा! सही है कि जाति भारतीय समाज की एक हकीकत रही है और समूचे सत्ता संरचना और तंत्र के स्तर पर एक बड़े सामाजिक समूहों की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकी। इसके लिए स्वतंत्रता के बाद से सत्ता संभालने वाली अमूमन सभी सरकारों की अपनाई गई वे नीतियां जिम्मेदार रही हैं, जिनमें घोषणाएं तो समूची जनता का हित तय करने के लिए की गईं, लेकिन व्यवहार में समाज का ज्यादातर हिस्सा जनकल्याण की योजनाओं के वास्तविक लाभों के दायरे से बाहर ही रहा। तो अब अगर राहुल गांधी और उनकी पार्टी जाति को केंद्र में रख कर राजनीति की दिशा तय करने का संकेत दे रहे हैं तो क्या यह अतीत में उनकी पार्टी की ओर से हुई चूक की स्वीकारोक्ति भी है? जाति आधारित जनगणना का मकसद अगर हर स्तर पर वंचित रह गए सामाजिक समूहों की पहचान और इसके कारणों की पड़ताल कर एक समावेशी व्यवस्था तैयार करने के रूप में अमल में आता है, तो इससे किसी को असहमति नहीं होगी। कोई भी इंसाफ-पसंद व्यक्ति और समूह यही चाहेगा। लेकिन अगर इसे राजनीति का औजार बनाया जाता है तो इसका हासिल शायद सामाजिक विभाजनों के और तीखा होने के रूप में सामने आए। इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते देश में यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब शायद सभी जाति-वर्गों के तमाम संवेदनशील लोगों की यह सदिच्छा होगी कि जाति की दीवारें टूटें और यह व्यवस्था खत्म हो। शहरों-महानगरों में एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो निजी जीवन और भविष्य के मामले में खुद से संबंधित किसी फैसले के संदर्भ में जाति-व्यवस्था के पारंपरिक पैमाने को मानने के लिए तैयार नहीं है और न ही उस पर ध्यान देती है। जरूरत इस नई हवा को और साफ करने की है, जिसमें जाति की जड़ता से जुड़े पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों की कोई जगह न हो और सभी न्याय आधारित भागीदारी का स्वागत करें। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बदलती जीवनशैली

बदलते रहन-सहन और खानपान से बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रति लगातार आगाह किया जाता रहा है। विडंबना यह है कि इंसान कई बार खतरों को सामने देखते हुए भी अपनी आंख, नाक, कान बंद कर लेता है, यानी चेतावनियों की अनदेखी करता है। इसी प्रवृत्ति के समांतर परिवर्तित जीवनशैली के दुष्परिणामों में से एक, आघात को लेकर विज्ञान पत्रिका लांसेट ने जो ताजा अध्ययन जारी किया है, उसके आंकड़े चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं। शोध में अनुमान लगाया गया है कि अगर समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो सन 2050 तक दुनिया भर में आघात से मरने वाले लोगों की संख्या पचास फीसद बढ़कर हर वर्ष एक करोड़ तक पहुंच जाएगी। बीते तीन दशकों में दुनिया भर में आघात के मामले करीब दोगुने हो चुके हैं। चिंता की बात यह है कि इससे सबसे ज्यादा प्रभावित निम्न और मध्यम आय वाले देश हैं। ऐसा या तो इन क्षेत्रों में भूख, गरीबी, बीमारी और प्राकृतिक आपदाओं के चलते उपजी स्वास्थ्य समस्याओं और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी की वजह से हुआ या फिर कुछ क्षेत्रों में औद्योगीकरण के चलते मानव श्रम पर आए अत्यधिक दबाव के कारण। इस बढ़ती समस्या की जड़ में वजहें जो भी रही हों, अगर संबंधित देशों का स्वास्थ्य तंत्र, वैश्विक एर्जासियों और प्रभावित क्षेत्रों ने इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दशकों में इसका बहुत अधिक प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है। भारत इन्हीं क्षेत्रों में शामिल है जहां की स्थिति आज भी बहुत चिंताजनक है। यहां यह समस्या कितनी आम हो गई है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि भारत में हर चार मिनट में एक व्यक्ति की जान आघात से जा रही है। एक आंकड़े के मुताबिक आघात के 68.6 फीसद और इससे मौत के 70.9 फीसद मामले भारत में सामने आते हैं। यह बीमारी अमूमन पैंसठ वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में होती है, लेकिन भारत में बीस वर्ष तक के इकतीस फीसद युवा और बच्चे भी अब इसकी चपेट में आ रहे हैं। यहां मौत का दूसरा सबसे सामान्य कारण आघात के रूप में सामने आ रहा है। आखिर क्या वजह है कि कारण और स्थितियां जगजाहिर होने के बावजूद यह समस्या इतने जटिल रूप में गहराती जा रही है। दरअसल, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रानिक संसाधनों पर अधिक समय बिताना, बाहर का खाना विशेषकर जंक फूड पर निर्भरता, देर रात सोना और सुबह देर से जागना, पारिवारिक अलगाव, एकाकीपन जैसी समस्याएं आज आम होती गई हैं। इन कारणों से तनाव, उच्च रक्तचाप, मोटापा, हृदय की बीमारियां लोगों को घेर रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इन्हीं सब को आघात का प्रमुख कारण बताते हैं। यह एक ऐसी घातक बीमारी है, जो हमला तो अचानक करती है, लेकिन उसके लिए हम बहुत पहले से जमीन तैयार कर रहे होते हैं। सब जानते हैं बदलती जीवनशैली जान पर भारी पड़ रही है। इसके बावजूद सबक लेने को तैयार नहीं। प्रतिस्पर्धी दौर में सब एक-दूसरे से आगे निकलने की दौड़ में जुटे हैं, भले ही इसके परिणाम कितने ही घातक क्यों न हों। चिंताजनक यह भी है कि देश में आघात के मरीजों का शीघ्र और बेहतर ढंग से इलाज करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और संसाधनों का भारी अभाव है। तीसरी दुनिया के अन्य देशों में तो स्थिति और भी खराब है। सभी सरकारों को समय रहते इस ओर ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाला कल कितना मुश्किल होगा, कहा नहीं जा सकता।

जैन मुनि शुद्ध सागर जी महाराज के दीक्षा दिवस की पूर्व संध्या पर हुआ भव्य नाटिका का मंचन

जम्बूस्वामी वैराग्य नाटक का हुआ मंचन

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। जैन मुनि श्री शुद्ध सागर जी महाराज के दीक्षा जयंती महोत्सव की पूर्व संध्या पर जिनवाणी महिला मंडल द्वारा जंबु स्वामी की जीवनी पर आधारित भव्य ऐतिहासिक नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक पुनित संधी ने बताया की कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि पदम बंटी लाखनपुर द्वारा भगवान सुपार्श्वनाथ के समक्ष दीप प्रजवल्लन कर की गई तत्पश्चात मुख्य अतिथि व कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा मंच का उदघाटन किया गया। लधु नाटिका की शुरूआत में ललिता जैन अनुप्रिया सौगानी एवं रानू जैन द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात राजसी वेशभूषा से सुसज्जित जिनवाणी महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा दीक्षा और वैराग्य का महत्व समझाते हुए मनोरम दृश्यों की प्रस्तुति दी जिसको देखकर सभी दर्शक भाव विभोर हो गए। कार्यक्रम में जंबु कुमार का जन्म तथा शाही बारात निकाली गई जिसमे सभी दर्शक बरात में सम्मिलित हो उठे और भव्य तोरण संस्कार किया गया और वधू पक्ष में नन्ही बालिकाओं द्वारा हल्दी मेहंदी की रस्में दिखाई गई। चातुर्मास कमेटी के प्रचार प्रसार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि समाजसेवी मूलचंद त्रिलोकचंद पांड्या द्वारा जंबू स्वामी की बरात का भव्य स्वागत सत्कार किया गया उसके बाद जंबू कुमार

के वैराग्य आदि मनोरम दृश्यों ने वातावरण को करुणामय कर दिया। ऐसे दुर्लभ दृश्यों का सजीव चित्रण देखने के लिए दर्शकों का हुजूम उमड़ पड़ा जिसमें जिन श्री महिला मण्डल धर्म प्रभावना महिला मण्डल की अध्यक्ष उर्मिला सोगानी संजू जौंला बीना सोगानी मुन्नीदेवी सोगानी निशा जैन सपना हथौना विनिता जैन प्रिती जैन कुसुम सोगानी प्रियंका सिरस पिंकी कठमाणा सहित विशुद्ध वर्धिनी महिला मण्डल त्रिशला महिला मण्डल चंद्रप्रभु महिला मण्डल णमोकार महिला मण्डल के साथ अनेक मण्डल मौजूद रहे। जौंला ने बताया कि जंबू कुमार के किरदार में खुशबू जैन संधी पत्नी पुनित संधी महाराजा संगीता संघी व महारानी सीमा शेखाटिया और रानियों के किरदार में सिंपी पांड्या रानू जैन प्रीति जैन व अंजू जैन तथा खुशबू व प्रियल जैन सपना संघी लाडदेवी मधु जैन अनिता जैन आदि ने मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा मूलचंद पांड्या शिखरचंद काला ज्ञानचंद सौगानी त्रिलोक पांडया विष्णु बोहरा त्रिलोक सिरस प्रेमचंद सोगानी महावीर प्रसाद छाबड़ा राकेश संघी मनन दतवास प्रतीक संघी विमल सौगाणी नवरत्न टोंग्या राजेश जौला त्रिलोक रजवास अक्षय पांड्या पुनीत संघी विमल जौंला हितेश छाबड़ा दिनेश सौगाणी पदम टोंग्या आदि लोग मौजूद थे।

धर्म की कला सीखने पर ही होंगे संसार सागर से पार: इन्दुप्रभाजी म.सा.

दुःख में काम आने वालों को हमेशा रखे याद- दर्शनप्रभाजी म.सा.। रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में सब कलाओं में पारंगत हो गए लेकिन धर्म की कला नहीं सीख पाए तो संसार सागर से पार नहीं हो पाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण धर्म की कला सीखना है। धर्म में जो पारंगत हो जाता है वह कर्म निर्जरा कर भव सागर से भी पार हो जाता है। हमे सांसारिक क्रियाओं में दक्षता हासिल करने के साथ धर्म का ज्ञान व क्रियाओं को भी सीखना है। धर्म के बिना जीवन का सार नहीं है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शुक्रवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी

इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भी विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जीवन में उसको हमेशा याद रखे जो दुःख व पीड़ा के समय हमारे काम आता है। सेवा करने वाले को कभी नहीं भूलना चाहिए। हमारा लक्ष्य सबको खुशियां देना होना चाहिए। हम किसी के लिए दुःख का कारण नहीं बने ओर खुशी दे सके तो जीवन सार्थक होगा। हमारा लक्ष्य उन जड़ी बूटियों के समान बनना होना चाहिए जिनका सेवन करने से शरीर के कष्ट दूर होते है। इसी तरह कोई हमारे पास आकर चेहरे पर मुस्कान ला सके तो हम सफल होंगे। आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने अधिकाधिक जिनवाणी श्रवण कर धर्म प्रभावना करने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में .अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। चातुर्मासकाल में रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना, दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप हो रहा है।

आदिनाथ भवन में हुआ भव्य सर्वतोभद्र मंडल विधान का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर में त्रय मुनीराजो के सानिध्य में आज घट यात्रा के साथ सर्वतोभद्र मंडल विधान का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर ध्वजारोहण करने का सौभाग्य उत्तमचंद पंकज बोहरा(खेरली वालों) को एवं पंडाल व समवशरण का उद्घाटन करने का सौभाग्य शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले (सौगानी ज्वेलर्स) को प्राप्त हुआ। समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया कि यह विधान 21 अक्टूबर तक चलेगा। यह विधान जयपुर में लगभग 31 वर्ष बाद होने हो रहा है। सभी पूजनार्थी विधान में बैठकर धर्म लाभ ले रहे हैं।

जे के के में आर्ट एंड क्राफ्ट शो का भव्य उद्घाटन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। सुरेखा आर्ट गेलेरी में तीन दिवसीय (15 अक्टूबर) तक मास्टर कलाकारों के आर्ट एंड क्राफ्ट शो का गणेश मन्दिर के महन्त कैलाश शर्मा ने फीता खोलकर उद्घाटन किया। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा, पद्मश्री तिलक गिताई, पद्म श्री शाकिर अली एवं पद्मश्री रामकिशोर डेरेवाला ने दीप प्रज्वलन किया। इस प्रदर्शनी के लिये मास्टर आर्टिस्ट अपनी श्रेष्ठ कला व कलाकृतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित कृतियाँ भी है। प्रदर्शनी में शीशम की लकड़ी पर तारकशी, चन्दन की लकड़ी से बनी कृतियाँ, मिनियेचर पेन्टिंग, ब्लू पॉटरी, जैम स्टोन मूर्तियाँ, मीनाकारी, जैम स्टोन पेंटिंग, मूर्तिकला, चावल पर सूक्ष्म-लेखन व मोजाइक कला का प्रदर्शन होगा। ''कारवाँ'' के को-ऑर्डिनेटर/प्रमोटर प्रदीप कुमार छाबड़ा ने बताया कि विभिन्न कलाओं की प्रदर्शन में राज्य के शिल्प गुरु, राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय पुरस्कृत व अन्य उत्कृष्ट कलाकारों की कला- कृतियाँ देखने को मिलेंगी। इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन कलाकार अपने स्तर पर कर रहे हैं। कला-प्रदर्शनी में ग्यारह कलाओं की कलाकृतियाँ होंगी । सभी कलाकार राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला को प्रदर्शित कर चुके हैं।

मानसरोवर से पदमपुरा पदयात्रा 14 अक्टूबर को दोपहर 2बजे से

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थडी मार्केट, मानसरोवर से बाड़ा पदमपुरा के लिए एक विशाल पदयात्रा दिनांक 14 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे प्रस्थान करेगी। इस पदयात्रा में लगभग 150 पदयात्री शामिल होंगे। पदयात्रा अर्धरात्रि को पदमपुरा पहुँचेगी । 15 अक्टूबर को पदमपुरा में शांति विधान, त्यागी-व्रती का सम्मान और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। सिद्ध सेठी, अध्यक्ष युवा मंडल ने बताया कि यह पद यात्रा श्री पार्श्वनाथ युवा मंडल थड़ी मार्केट, अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है।

सांगानेर से पदमपुरा की पदयात्रा 14 अक्टूबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर चित्रकूट जैन मंदिर से 24वी बाड़ा पदमपुरा पदयात्रा14 अक्टूबर को ये पदयात्रा महावीर नवयुवक मंडल के द्वारा आयोजित होंगी। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र जैन सोगानी मंत्री मनीष जैन काशीपुरा, कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन पदयात्रा के मीडिया प्रभारी दीपक जैन पहाड़िया ने बताया कि मध्याह्न 1.15 बजे बैंड बाजे के साथ केसरिया ध्वज लेकर पदयात्री बाड़ा पदमपुरा प्रस्थान करेंगे। बाड़ा पदमपुरा में 15 अक्टूबर को प्रातः जिनेन्द्र दर्शन और प्रातः 10.15 बजे संगीतमय विधान अर्चना होंगी । उसके पश्चात लक्की ड्रा और सामूहिक गोठ का आयोजन होगा।

अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच एवं राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच के तत्वाधान में यात्रा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच एवं राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच के तत्वाधान में दिनांक 11अक्टूबर, बुधवार को 21 गाँवों में 25 मन्दिरों के दर्शनार्थ यात्रा का आयोजन किया ' यात्रा प्रात 7 बजे प्रारंभ कर रात्रि 12 बजे वापस जयपुर आकर समाप्त हुई ' यात्रा में संघी जी मंदिर सांगानेर एवं श्री दिगंबर जैन श्रवण संस्कृति संस्थान विरोदय नगर वहां से वाटिका में आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर आनंद विहार, पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर गणेश वाटिका कल्लावाला एवं मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर नव ग्रह जैन मंदिर वाटिका के दर्शन किये । वहां से श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र ग्राम लाखना , चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर मुहम्मदपुर वहाँ से रेनवाल में तीन मन्दिरों के दर्शन कर वहां से सहस्त्रफनी पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर चित्तौडा, पीपला,भोज्याडा हरसूलिया, झाड़ला ,चन्द्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर लदाना , नसिया जी लदाना वहां से सुल्तानिया, गोहनदी, अजयराजपुरा श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पंवालिया जी अंत मे श्री शान्ति नाथ दिगंबर जैन मंदिर श्री जी नगर सांगानेर के दर्शन कर यात्रा का समापन हुआ। पुलक जन चेतना मंच की अध्यक्षा श्रीमती सरला कमल पाटनी द्वारा बनाया गया कि यह यात्रा पिछले 20 वर्षो से लगातार जा रही है। यात्रा संयोजक संजय अजमेरा सांगानेर ने बताया कि यात्रा में लगभग 40 यात्री थे। यह यात्रा काफी समय से संचालित की जा रही है। गाँव-गाँव मे चाहे समाज के एक एक ही घर हो लेकिन सभी जगह चाय नाश्ते द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। आदिनाथ मित्र मंडल के कोषाध्यक्ष एवं मीसो के जयपुर जिला अध्यक्ष मुकेश जैन (रेल्वे) द्वारा यात्रा संयोजक अजमेरा एवं पुलक मंच अध्यक्षा श्रीमति सरला कमल पाटनी को इतने वर्षो से संचालित यात्रा के लिए बहुत-बहुत साधुवाद एवं शुभकामनाये प्रेषित की गई। यात्रा लाभार्थियों को बहुत-बहुत धन्यवाद जिनके सहयोग से यात्रा का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है।

नारद मोह की लीला का मंचन

भगवान विष्णु ने मिटाया मुनि नारद का अभिमान, वहीं नारद ने दिया विष्णु को पत्नी वियोग का श्राप

विराट नगर. शाबाश इंडिया। कस्बे के रामलीला मैदान में श्री अवधेश कला केंद्र रामलीला मंडल के तत्वावधान में चल रही 15 दिवसीय लीला मंचन के दौरान गुरुवार को ?नारद मोह? की लीला का मंचन किया गया। प्रसंग के अनुसार हिमालय की कंदराओं में मुनि नारद द्वारा घोर तपस्या किए जाने से भयभीत होकर देवराज इंद्र ने अपने मित्र कामदेव को भेजकर अप्सराओं की सहायता से नारद की तपस्या भंग करवाने का प्रयास किया गया, परंतु वह असफल रहा। जिस पर नारद को अपनी तपस्या पर अभिमान हुआ। मुनि ने यह सोचकर कि उसने अपने तप से इंद्र को जीत लिया इस खुशी का समाचार भगवान शंकर और ब्रह्मा को सुनाया जिस पर उन्होंने नारद को समझाया कि यह समाचार भगवान विष्णु को मत बताना। परंतु नारद ने यह वृत्तांत भगवान विष्णु को सुना डाला। विष्णु ने सोचा कि नारद को अपने तप पर अभिमान हुआ है इसे दूर करने के लिए उन्होंने एक माया रची जिसके अनुसार एक सुंदर नगर बसाया जाए जिसका नाम श्रीनिवासपुर हो, जिसकी राजा का नाम सील निधि हो, और उसके एक सुंदर राजकुमारी हो, जिसका नाम विश्व मोहिनी हो, जिसकी हस्त रेखा अत्यंत ही प्रबल हो और जो विवाह योग्य हो। माया के अनुसार शीलनिधि ने अपनी कन्या का हाथ मुनि नारद को दिखाया। मुनि नारद ने विश्व मोहिनी को सर्वगुण संपन्न देख कर उसे पाने की लालसा उत्पन्न हुई। मुनि ने सोचा कि क्यों नहीं इसे पाने के लिए भगवान विष्णु के पास जाकर अपना सुंदर रूप मांगू। यह सोचकर मुनि ने विष्णु से हरि रूप मांगा जिस पर उन्होंने नारद को हरि(बंदर) का रूप देकर शर्मसार किया। जब नारद को इस बात का पता चला तो क्रोधित होकर भगवान विष्णु को पत्नी वियोग का श्राप दे डाला और कहा कि जिस प्रकार मुझे पत्नी से वंचित किया इस प्रकार तुम भी एक दिन पत्नी के वियोग में वनों में दर-दर भटकोगे। और जिस प्रकार तुमने बंदर का रूप देकर मेरी हंसी उड़ाई यही बंदर तुम्हारी एक दिन रक्षा करेंगे। विष्णु ने नारद का श्राप सुनकर अपनी माया हटायी तो नारद लज्जित होकर भगवान विष्णु के चरणों में गिरकर त्राहिमाम त्राहिमाम कहने लगा कि आप मुझे क्षमा करें।

जयपुर से श्री महावीर जी की 55वी पदयात्रा 17अक्टूबर से

22 अक्टूबर को पहुंचेगी श्री महावीरजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर-पदमपुरा-श्री महावीर जी की 55वी पदयात्रा जयपुर से मंगलवार 17अक्टूबर को रवाना होगी और रविवार 22 अक्टूबर को सुबह 5.00 बजे श्री महावीर जी पहुंचेगी। पदयात्रा जयपुर से 17 अक्टूबर को दोपहर 1.00 बजे चित्रकूट जैन मंदिर, सांगानेर से रवाना होकर बीलवा, श्योदासपुर होते हुए पदमपुरा पहुँचेगी एवं 18 अक्टूबर को पदमपुरा से सुबह 5.30 बजे रवाना होकर सांभरिया, देवगांव, धनाऊ, तुंगा, लवाण में रात्रि विश्राम करेगी। 19 अक्टूबर को सुबह लवाण से रवाना होकर डुंगरावता, तिवाड़ी जी की बदरखा, मलवास, नांगल राजावतान, छारेडा, पापडदा में रात्रि विश्राम करेंगी। 20 अक्टूबर को पापड़दा से रवाना होकर खवाराव जी से पहाड़ी रास्ते होते हुए मोरा, गढ़मोरा, गढ़खेड़ा रात्रि विश्राम करेगी। 21अक्टूबर को सुबह गढ़खेड़ा से रवाना होकर सलावत, उजीर्णा, नादौती, खेड़ला खेडली, कैमला (बालकनाथ मन्दिर) (रात्रि विश्राम) पहुँचेगी। 22 अक्टूबर को सुबह 4 बजे रवाना होकर अपने लक्ष्य प्रातः 5 बजे श्री महावीर जी पहुँचेगी। आप सभी से अनुरोध हैं कि उक्त पदयात्रा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में चलने का प्रयास करें।

> **19 अक्टूबर को सुबह लवाण से रवाना होकर डुंगरावता, तिवाड़ी जी की बदरखा, मलवास, नांगल राजावतान, छारेडा, पापडदा में रात्रि विश्राम करेंगी।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जेकेके में तीन दिवसीय शरद रंग महोत्सव की शुरूआत

काउंसिल की ई-बुक को किया लॉन्च, युवाओं को मिले फोटोग्राफी के टिप्स

जयपुर. कासं

अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने कहा कि डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने का कार्य कर रहा है। ताकि राजस्थानी कला एवं संस्कृति का मौलिक स्वरूप में बना रहे। काउंसिल ने कुछ समय में अच्छी पहल कर राजस्थान डेल्फिक खेलों के आयोजन से कला एवं संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राजस्थान कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विश्व में अपनी एक अलग पहचान रखता है। सिंह शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र में तीन दिवसीय शरद रंग महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि मसूरी में ट्रेनिग के दौरान यह सिखाया जाता था कि सरकारी सेवा के दौरान अलग-अलग स्थानों पर पदस्थापन के दौरान कार्य की व्यस्तता रहती है, ऐसे में अपनी हॉबी को बनाए रखे। इसके लिए समय जरूर निकाले। उन्होंने कहा कि राजस्थान की संस्कृति जीवन शैली में घुली मिली है और उसे आगे बढ़ाने के लिए डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान युवाओं को बेहतर मंच प्रदान कर रहा है। प्रमुख शासन सचिव सहकारिता एवं डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने काउंसिल का परिचय देते हुए काउंसिल की ओर से किए गए आयोजनों और गतिविधियों के बारे में बताया। प्रसिद्ध वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर एवं पीसीसीएफ (प्रशासन) अरिजीत बनर्जी ने इस मौके पर कहा कि डेल्फिक की गतिविधियां रोचक एवं प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी कला एवं विज्ञान का मेल है। इस मौके पर अतिथियों ने काउंसिल की ई-बुक का लॉन्च किया। काउंसिल के महासचिव एवं निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जितेन्द्र सोनी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। उतर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला के निदेशक फुरकान खान ने तीन दिवसीय कार्यशाला के बारे में अवगत कराया। इस अवसर अतिरिक्त महानिदेशक जवाहर कला केन्द्र प्रियंका जोधावत, उपायुक्त जेडीए शिप्रा शर्मा उपस्थित थीं। जवाहर कला केंद्र के रंगायन में 14 अक्टूबर को सांय 7 बजे दिल्ली के प्रसिद्ध नृत्य गुरु और कोरियोग्राफर संतोष नायर की नृत्य नाटिका मिस्टिकल फॉरेस्ट का मंचन होगा।

विद्यार्थियों ने फोटोग्राफी के गुर सीखे

मुबंई के सेलिब्रिटी फोटोग्राफर शिरीष कराले ने पहले दिन कार्यशाला में हिस्सा ले रहे विद्यार्थियों एवं नवोदित फोटोग्राफर्स को बेहतरीन फोटोग्राफी के गुर सिखाए। उन्होंने मोबाइल फोटोग्राफी, फोटोग्राफी में लाइट का प्रयोग, आउटडोर फोटोग्राफी में प्राकृतिक रोशनी, डीएसएलआर कैमरे के विभिन्न फंक्शन, सेलिब्रिटी फोटोग्राफी, नेचर फोटोग्राफी, प्रोडक्ट फोटोग्राफी, ट्रेवल फोटोग्राफी सहित अन्य पहलुओं एवं बारीकियों से अवगत कराया साथ ही फोटोग्राफी के अन्य आयामों पर भी चर्चा करते हुए प्रेक्टिकल सेशन भी किया।

राजस्थान जैन साहित्य परिषद की मासिक विचार गोष्ठी रविवार 15 अक्टूबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन साहित्य परिषद द्वारा मासिक विचार गोष्ठी के अन्तर्गत रविवार 15 अक्टूबर 2023 को प्रातः 9.00बजे से श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, चौमूं बाग, सांगानेर में महावीर चांदवाड के संयोजन में आयोजित की जाएगी। परिषद के मंत्री हीरा चन्द बैद ने बताया कि स्वाधीनता संग्राम में जैन महिला - पुरूषों का योगदान विषय पर आयोजित गोष्ठी में विशेष आमंत्रित वक्ता अपभ्रंश साहित्य अकादमी के डा. सोमबाबू शर्मा व केसरिया जोत संस्थान के अम्बरीष वर्द्धन होंगे। मन्दिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रेम चन्द बड़जात्या, मंत्री पारसमल जैन, दिगम्बर जैन महासमिति चौमूं बाग ईकाई के डा . अरविन्द जैन, राजकुमार गोधा व श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल चौमूं बाग की अध्यक्ष सरोज देवी जैन, मंत्री दीपशिखा जैन ने समाज के सभी सदस्यों से गोष्ठी में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए आव्हान किया है। राजस्थान जैन साहित्य परिषद के अध्यक्ष डा. विमल कुमार जैन शास्त्री ने बताया कि स्वाधीनता आंदोलन में जैन समाज के हजारों महिला - पुरुषों द्वारा तन -मन- धन से सक्रिय भूमिका निभाने वालों की याद को पुनः स्थापित करने हेतु इस विषय पर गोष्ठी के आयोजन की मांग की जा रही थी । आज समय आ गया है उन स्वतंत्रता सेनानियों को याद करके उनके जीवन से प्रेरणा लेने का ।

जैन सोश्यल ग्रुप्स का जैन एकर्स-जेएसजी क्रिकेट प्रीमीयर लीग का हो रहा भव्य आयोजन

9 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक होंगे 108 टीमों के 1186 खिलाड़ियों के मध्य 236 मैच

जयपुर. शाबाश इंडिया। एस जे पब्लिक स्कूल जनता कॉलोनी जयपुर में 108 टीमो व 1186 खिलाड़ियों के साथ जैन सोश्यल ग्रुप्स का जैन एकर्स-जेएसजी क्रिकेट प्रीमीयर लीग का भव्य आयोजन हो रहा है। इस क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के अवसर पर जैन सोश्यल ग्रुप्स नार्दन रीजन द्वारा इतिहास रच दिया गया। रीजन के चेयरमैन महेन्द्र सिंघवी व सचिव सिद्धार्थ जैन ने बताया कि जैन एकर्स की मुख्य प्रायोजिकता में व युकाक्स, कोटक महिन्द्रा, राज आँगन रिसोर्ट, आशीश-पलेडियम ग्रुप, रेजोनेन्स, एस.आर.के हॉस्पीटल की सह-प्रायोजिकता में आयोजित इस क्रिकेट महाकुंभ के उद्घाटन समारोह का उद्घाटन बिरेन शाह फेडरेशन अध्यक्ष इलेक्ट, मुख्य अतिथि अशोक परनामी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भाजपा व रीजन संस्थापक चैयरमेन राकेश जैन ने अध्यक्ष, दीप प्रज्ज्वलन कर्त्ता विनय-स्नेहलता सोगानी, सभी स्पोंसर्स ग्रुप के प्रतिनिधियों के साथ देश भर से पधारे फेडरेशन के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों के मार्च पास्ट का अवलोकन किया। टूर्नामेंट के होस्ट ग्रुप जेएसजी यूनिवर्स के अध्यक्ष दीक्षान्त हाडा.व सचिव अंकुर जैन ने बताया कि उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण ट्राफी का अनावरण कार्यक्रम रहा जिसके संचालन व चकाचौंध को उपस्थित लगभग 3000 अतिथियों व दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहा। क्रिकेट के मुख्य समन्वयक महेन्द्र गिरधरवाल ने बताया कि 09 से 22 अक्टूबर के बीच खेले जा रहे कुल 236 मैचों में ओरवआर्म, अंडरआर्म क्रिकेट मैचों में लगभग 1186 पुरूष, महिलाए व बच्चे भाग ले रहे है , जो कि एक विश्व किर्तिमान कि तरफ अग्रसर होने जा रहा है। आज हुए ओवरआर्म मुकाबले में जनक की टीम ने प्लैटिनम को 8 विकेट से हराया। महिलाओं के अंडरआर्म मैच में महानगर की टीम ने रेनबो को हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की। महानगर के पुरुष खिलाड़ियों की टीम ने वीनस को हराया। सक्षम गोदिका मेन ऑफ द मैच रहे।